RNI No.: UPHIN/25/A1697
GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 121
दि. 31.08.2025,
रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.
Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

संक्षिप्त समाचार

ऑपरेशन सिंदूर पर बोलीं उमा भारती हमारा अंतिम लक्ष्य आज भी पीओके को वापस लेना ही है'

पूर्व केंद्रीय मंत्री और कभी बीजेपी की फायरब्रांड नेता रहीं उमा भारती इन दिनों सामाजिक कार्यक्रमों में व्यस्त हैं। वह सक्रिय राजनीति से दूर जरूर हैं, लेकिन लगातार चर्चा में रहती हैं। हाल ही में उन्होंने कई टीवी चैनल को इंटरव्यू दिए हैं और देश से जुड़े मुद्दों पर अपनी राय रखी है। एक मीडिया एजेंसी को दिए इंटरव्यू में उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर बोलते हुए कहा कि इसका अंतिम लक्ष्य आज भी पीओके को वापस लेना है। बीजेपी का रुख हमेशा पीओके को लेकर निर्णायक रहा है कि यह भारत का हिस्सा है।

जापानी पीएम के साथ प्रधानमंत्री मोदी ने की बुलेट ट्रेन की सवारी, ट्रेंनिंग ले रहे भारतीय लोको पायलटों से भी मिले

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन दिनों जापान की दो दिवसीय यात्रा पर हैं, जहां वे 15वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा ले रहे हैं। यह दौरा भारत और जापान के बीच गहरी होती रणनीतिक साझेदारी और सहयोग का अहम संकेत माना जा रहा है।

शनिवार को पीएम मोदी ने अपने जापानी समकक्ष शिगेरू इशिबा के साथ बुलेट ट्रेन में सफर करते हुए टोक्यो से सेंडाई तक का सफर किया। जापानी प्रधानमंत्री ने इस यात्रा की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर साझा कीं। इसके अलावा, दोनों नेताओं ने जेआर ईस्ट में प्रशिक्षण ले रहे भारतीय रेल चालकों से भी मुलाकात की।

जापानी प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तस्वीरें साझा कीं और लिखा - 'प्रधानमंत्री मोदी के साथ सेंडाई...'। इसके बाद दोनों नेताओं ने जेआर ईस्ट प्रशिक्षण केंद्र का दौरा किया, जहां भारतीय रेल चालकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जापानी पीएम इशिबा ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा , 'जेआर ईस्ट में प्रशिक्षण ले रहे भारतीय रेल चालकों से मेरा नमस्कार।'

भारत में मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना पर तेजी से काम चल रहा है, जिसे भारत-जापान साझेदारी की सबसे बड़ी परियोजनाओं में से एक माना जा रहा है। आने वाले कुछ सालों में यह सेवा शुरू हो जाएगी। भारत का लक्ष्य देश में लगभग 7,000 किलोमीटर लंबा हाई-स्पीड रेल नेटवर्क तैयार करना है, जिसका बड़ा हिस्सा 'मेक इन इंडिया' के तहत विकसित होगा। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए भारत से लोको पायलटों को जापान भेजा गया है, जहां वे बुलेट ट्रेन चलाने की उन्नत तकनीक और संचालन की ट्रेनिंग ले रहे हैं।

वहीं पीएम मोदी ने टोक्यो से रवाना होने से जापान के 16 प्रांतों के गवर्नरों से भी मुलाकात की। इस बैठक में उन्होंने भारत और जापान के राज्यों व प्रांतों के बीच गहरे सहयोग पर जोर दिया। जापान के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 15वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन के दौरान शुरू की गई राज्य-प्रांत साझेदारी पहल के तहत सहयोग को और मजबूत बनाने का आ'ान किया। मोदी ने कहा कि यह पहल दोनों देशों की साझा प्रगति और विकास के लिए अहम साबित होगी।

नोएडा में रक्षा विनिर्माण की नई उड़ानः सीएम योगी और रक्षा मंत्री ने ड्रोन और इंजन टेस्ट यूनिट का किया उद्घाटन

(जीएनएस)।

नोएडाः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को नोएडा के सेक्टर-81 में राफे एमफाइबर प्राइवेट लिमिटेड के रक्षा उपकरण और इंजन टेस्ट सुविधा केंद्र का उद्घाटन किया। इस मौके पर आयोजित समारोह में दोनों नेताओं ने उत्तर प्रदेश में स्थापित हो रहे रक्षा औद्योगिक गलियारे (UPDIC) की प्रगति और इसके राष्ट्रीय सुरक्षा में योगदान की सराहना की। इस अवसर पर सीएम योगी ने लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल यूनिट की सफलता और 'ऑपरेशन सिंदूर' में इसकी भूमिका को भी रेखांकित किया।

यूपी डिफेंस कॉरिडोर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत में स्थापित दो रक्षा औद्योगिक गलियारों में से एक उत्तर प्रदेश में विकसित हो रहा है, जिसमें अलीगढ़, आगरा, झांसी, कानपुर, चित्रकूट, और लखनऊ जैसे छह नोड्स शामिल हैं। इसके लिए राज्य सरकार ने 12,500 एकड़ भूमि आवंटित की है, जो रक्षा विनिर्माण इकाइयों को स्थापित करने में मदद कर रही है।

उन्होंने लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल यूनिट की स्थापना के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को धन्यवाद दिया और कहा कि इस मिसाइल ने 'ऑपरेशन सिंदूर' में अपनी ताकत का प्रदर्शन किया, जिससे देश की रक्षा क्षमता में इजाफा हुआ है।

योगी ने भारत की प्राचीन अवधारणा 'शस्त्र और शास्त्र' के संतुलन पर जोर देते हुए कहा, 'शक्ति के बिना शांति की अपील बेकार है। अगर आपके पास ताकत है, तो दुनिया आपके सामने नतमस्तक होती है।' उन्होंने महाराणा प्रताप की उक्ति 'वीर भोग्या वसुंधरा' का उल्लेख करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत आने की तारीख तय, दिल्ली में लगेगा मजमा, दुनिया की रहेगी निगाह

(जीएनएस)।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दिसंबर में भारत दौरे पर आएंगे। उनका यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब पश्चिमी देशों के बढ़ते दबाव के बावजूद दोनों देशों के बीच संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। क्रेमलिन के विदेश नीति सहायक यूरी उशाकोव ने शुक्रवार को इस आधिकारिक यात्रा की बात को कन्फर्म किया है।

मोदी से मिलेंगे पुतिन

दिसंबर दौरे से पहले, पुतिन सोमवार को चीन में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (रउड) शिखर सम्मेलन में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलेंगे। यह बैठक चीन के तियानजिन शहर में रउड प्लस की बैठक के तुरंत बाद होगी। उशाकोव ने पत्रकारों को बताया कि इस मुलाकात का मुख्य उद्देश्य दिसंबर में होने वाले पुतिन के भारत दौरे की तैयारियों पर चर्चा करना होगा।

संपर्क में हैं दोनों नेता

उशाकोव ने आगे कहा, "तियानजिन में दोनों नेताओं की इस साल की यह पहली मुलाकात होगी, हालांकि वे फोन पर नियमित रूप से संपर्क में रहे हैं।" उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि "हमारे देश एक विशेष रणनीतिक साझेदारी से बंधे हैं।" यह साझेदारी दिसंबर 2010 में औपचारिक रूप दी गई थी, जिसका मतलब है कि इस साल इसकी 15वीं वर्षगांठ मनाई जाएगी।

एक साल में दो बार रूस गए मोदी

मोदी पिछले साल दो बार रूस का दौरा कर चुके हैं - एक बार वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए और दूसरी बार कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए। पुतिन का यह दौरा भी वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए ही है। जापान की अपनी मौजूदा यात्रा से पहले, मोदी ने पुतिन, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अन्य विश्व नेताओं से रउड बैठक में मिलने की उत्सुकता व्यक्त की थी।

पुतिन के भारत दौरे की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने के ठीक बाद हुई है। यह टैरिफ नई दिल्ली द्वारा रूसी तेल की बड़े पैमाने पर खरीद के जवाब में लगाए गए थे। अमेरिका का यह कदम मॉस्को पर यूक्रेन में अपने सैन्य अभियान को समाप्त करने के लिए दबाव डालने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है।

रूस को दबाने की कोशिश में ट्रंप

रूस के लिए एनर्जी रिवन्यू उसके राज्य बजट का एक बड़ा सोर्स है। यूक्रेन पर रूस के सैन्य हमले (फरवरी 2022) के बाद से, पश्चिमी सहयोगी रूस की निर्यात आय में कटौती करने का प्रयास कर रहे हैं।

मारा गया आतंकी समंदर चाचा उर्फ 'ह्यूमन जीपीएस' सेना ने किया ढेर

(जीएनएस)।

सुरक्षाबलों ने शनिवार को गुरेज में आतंकी संगठन के सरगना "मन जीपीएस' के नाम से मशहूर बागू खान को मार गिराया। बागू खान, जिसे समंदर चाचा के नाम से भी जाना जाता था, 1995 से पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (ढङ्क्ङ) में सक्रिय था।

घुसपैठ के दौरान हुई चूक

नौशेरा नार क्षेत्र से घुसपैठ के एक प्रयास के दौरान बागू खान और एक अन्य आतंकवादी को ढेर कर दिया गया। वह सबसे पुराने और सबसे सक्रिय घुसपैठ कराने वालों में से एक था। सुरक्षा ग्रिड के सूत्रों के अनुसार, उसने गुरेज सेक्टर के विभिन्न क्षेत्रों से 100 से अधिक घुसपैठ के प्रयासों को अंजाम देने में मदद की थी।

बागू खान को इलाके के ऊबड़-खाबड़ रास्तों और गुप्त जगहों की अच्छी खासी जानकारी थी, जिसके कारण उसके अधिकांश घुसपैठ के प्रयास सफल रहे। यही वजह थी कि वह सभी आतंकी समूहों के लिए खास था। वह हिजबुल कमांडर होने के बावजूद, नियंत्रण रेखा से सटे गुरेज और पड़ोसी सेक्टरों से घुसपैठ की योजना बनाने और उसे अंजाम देने में हर आतंकी संगठन की मदद करता था।

एक चूक और कहानी खत्म

सालों तक सुरक्षाबलों से बचते रहने के बाद, ताजा घुसपैठ के प्रयास में उसकी किस्मत ने उसका साथ छोड़ दिया। वह जब घुसपैठ की कोशिश कर रहा था तो एक चूक के उसकी जानकारी मिली। जिसके बाद सेना ने ऑपरेशन चलाया और उसे ढेर कर दिया। बागू खान का मारा जाना क्षेत्र में आतंकी संगठनों के लॉजिस्टिक नेटवर्क के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है।

'ऑपरेशन नौशेरा नार क्श'

यह मुठभेड़ जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले के गुरेज सेक्टर में नियंत्रण रेखा पार करने की कोशिश कर रहे दो आतंकवादियों को भारतीय सेना द्वारा गुरुवार को मार गिराए जाने के दो दिन बाद हुई। 'ऑपरेशन नौशेरा नार क्श' के तहत नौशेरा नार के पास यह मुठभेड़ हुई।

इसमें अलर्ट सैनिकों ने भारतीय क्षेत्र में घुसने की कोशिश कर रहे भारी हथियारों से लैस घुसपैठियों के एक समूह को घेर लिया।

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ फिर क्यों आए चचाओं में? इस्तीफे के बाद पहली बार किया ये बड़ा काम

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का नाम एक बार फिर सुर्खियों में है। इस्तीफे के बाद पहली बार उ न्ह ों ने अधिकारिक तौर पर कोई काम किया है। इस बार चर्चा का कारण उनके राजस्थान विधानसभा से पेंशन का आवेदन है। 74 साल के धनखड़ ने राजस्थान विधानसभा में विधायक रहने के नाते पेंशन के लिए आवेदन किया है। साल 1993 में कांग्रेस के टिकट पर अजमेर जिले की किशनगढ़ सीट से विधायक रहे जगदीप धनखड़ क राजस्थान विधानसभा से पेंशन मिलने का अधिकार है। वर्तमान में 74 वर्ष की उम्र पार कर चुके धनखड़ को नियमों के मुताबिक करीब 42 हजार

तेजस्वी यादव ने मंच से फिर खुद को सीएम उम्मीदवार बताया, अखिलेश का मिला समर्थन लेकिन राहुल गांधी अभी भी मौन!

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में अब गिनती के ही दिन बचे हैं और इस बीच सीएम फेस को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। एनडीए के मुख्यमंत्री उम्मीदवार नीतीश कुमार ही रहेंगे, जबकि औपचारिक तौर पर इंडिया अलायंस ने सीएम उम्मीदवार का ऐलान नहीं किया है। हालांकि, तेजस्वी यादव कई बार खुले तौर पर कह चुके हैं कि वह अगले सीएम बनेंगे। अब यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने भी तेजस्वी का समर्थन किया है। राहुल गांधी अब तक इस मुद्दे पर मौन ही साधे हुए हैं।

तेजस्वी यादव ने तो बिहार वोट अधिकार यात्रा में राहुल गांधी को अगला प्रधानमंत्री भी घोषित कर दिया था। कांग्रेस ने अब तक सीएम पद के लिए तेजस्वी का समर्थन किया है। राहुल गांधी से जब बिहार में पूछा भी गया था, तो उन्होंने इस बात को टाल दिया था। समझें कांग्रेस अब तक अपने पत्ते क्यों नहीं खोल रही है?

बिहार में कांग्रेस इस बार संगठन और बूथ स्तर पर खुद को मजबूत करने की कोशिश में जुटी हुई है। एक तरफ एनडीए को हराने की चुनौती है, तो दूसरी ओर गठबंधन में भी सम्मानजनक स्थिति में रहने का संघर्ष है। इस पहलू को देखते हुए कांग्रेस चुनाव से पहले मुख्यमंत्री के लिए तेजस्वी का चेहरा घोषित करने पर राजी नहीं हो रही है। कांग्रेस हाई कमान को आशंका है कि अगर तेजस्वी को सीएम फेस घोषित किया जाएगा, तो कार्यकर्ताओं का उत्साह भी ठंडा पड़ सकता है और बीजेपी-एनडीए की तरफ से भी तेज हमले शुरू हो सकते हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राहुल गांधी की कोशिश है कि वोट अधिकार यात्रा से जो सुगबुगाहट बनी है उसे जमीन पर आगे तक उतारा जा सके। ऐसे में कांग्रेस के पास चुनाव से पहले कार्यकर्ताओं को एकजुट करने और बूथ मैनेजमेंट का इससे बेहतर मौका नहीं मिलेगा।

राजस्थान में मानसून का कहर, 10 सितंबर तक भारी बारिश का अलर्ट, कई जिलों में जनजीवन प्रभावित

(जीएनएस)।

राजस्थान में मानसून का दौर फिलहाल थमने का नाम नहीं ले रहा। मौसम केंद्र जयपुर ने अगले दो हफ्तों तक मानसून के एक्टिव रहने का अनुमान जताया है। शुक्रवार को राज्य के 11 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

बीते 24 घंटे में कई जिलों में भारी बारिश रिकॉर्ड की गई। बांसवाड़ा के सज्जनगढ़ में 5 इंच से ज्यादा बरसात दर्ज हुई, वहीं झालावाड़ के डग में 110MM और कोटा के दिगोद व सीकर के नीमकाथाना में 51MM बारिश हुई। जयपुर समेत कई जगह दिनभर रुक-रुककर बारिश होती रही।

लगातार हो रही बारिश अब हादसों का कारण भी बन रही है। उदयपुर के सलूंबर इलाके में एक शिक्षक बाइक समेत नदी में बह गए। भीलवाड़ा में नहाने गई दो सहेलियां पानी का स्तर अचानक बढ़ने से डूब गईं।

गुजरात ने सर्वग्राही पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के लिए इकोसिस्टम तैयार किया है : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

गांधीनगर, 30 अगस्त :मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने शनिवार को 76वें वन महोत्सव का राज्यव्यापी प्रारंभ कराते हुए स्पष्ट रूप से कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दिशादर्शन में गुजरात ने सर्वग्राही पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन का इकोसिस्टम तैयार किया है।

इस संदर्भ में श्री पटेल ने कहा कि क्लाइमेट चेंज की चुनौतियों का सामना करने के लिए गुजरात ने लाइफ स्टाइल फॉर एन्वायर्नमेंट झ्र मिशन लाइफ, हरित ऊर्जा के लिए रिन्यूएबल एनर्जी व सोलर रूफटॉप, जल संचय के लिए 'कैच द रेन' व अमृत सरोवरों का निर्माण तथा 'एक पेड़ माँ के नाम' अंतर्गत पेड़-पौधों की बुवाई से हरियाली क्रांति द्वारा पर्यावरण संतुलन से युक्त विकास किया है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने 76वें वन महोत्सव अंतर्गत राज्य के 24वें सांस्कृतिक वन के रूप में खेडा जिले के गळतेश्वर में 7 हेक्टेयर में निर्मित गळतेश्वर वन का लोकार्पण किया। उन्होंने गुजरात स्टेट वेटलैंड ऑथोरिटी की वेबसाइट की लॉन्चिंग, ग्राम वन निर्माण तथा पट्टी बुवाई (स्ट्रिप फार्मिंग) की उपज के चेक का ग्राम व तहसील पंचायतों को वितरण और वन विभाग की योजनाओं के लाभार्थियों को चेक का वितरण किया।

उन्होंने 'हम प्रकृति से प्रेम करेंगे, तो प्रकृति हमारा ध्यान रखेगी' का उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि हम तो पौधे में परमात्मा तथा जीव में शिव देखने वाले लोग हैं। इतना ही नहीं; प्रधानमंत्री ने भी पर्यावरण संतुलन एवं संरक्षण को हमेशा प्रायोरिटी दी है। इस उद्देश्य से उन्होंने वन महोत्सव का परंपरागत प्रारूप बदल कर वन के साथ जन-जन को जोड़ा है और वन महोत्सवों को जन महोत्सव बनाया है।

श्री पटेल ने बताया कि ग्रीन कवर बढ़ाने के लिए 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान, राज्य में मियावाकी पद्धति से 207 वन कवच निर्माण, लगभग 82 नमो वड वन आदि की सफलता के परिणामस्वरूप वन क्षेत्र से बाहर का ग्रीन कवर बढ़कर 1143 वर्ग किलोमीटर हुआ है।

उन्होंने उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा से शुरू हुए 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान में गुजरात ने गत वर्ष 17.50 करोड़ पौधे लगाने के साथ देश में दूसरा स्थान प्राप्त किया है और इस वर्ष 'एक पेड़ माँ के नाम' 2.0 में समग्र राज्य में 10.35 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य है।

उन्होंने कहा कि गुजरात देश के विकास का ग्रोथ इंजन बना है। व्यापार-उद्योग के विकास के साथ मानव जीवन के विकास के लिए भावी पीढ़ी को स्वच्छ वातावरण प्रदान कर समृद्ध एवं स्वस्थ रखने के लिए ग्रीन-क्लीन एन्वायर्नमेंट जरूरी है।

सम्पादकीय

एससीओ शिखर सम्मेलन ला सकता वैश्विक समीकरणों में बदलाव

भारत के लिए, एससीओ अवसर और बाधाएं दोनों प्रस्तुत करता है। इसकी सदस्यता मध्य एशिया, रूस और चीन के साथ सीधा जुड़ाव प्रदान करती है, जो इस क्षेत्र के साथ नई दिल्ली के सीधे जमीनी संपर्व के अभाव को देखते हुए एक महत्वपूर्ण अंतर को भरती है। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) का 25वां शिखर सम्मेलन, यूरेशियाई क्षेत्र में बदलते भू-राजनीतिक बदलाव की पृष्ठभूमि में, 31 अगस्त - 1 सितंबर, 2025 के दौरान चीन के तियानजिन में आयोजित किया जाएगा। यह बदलाव इस क्षेत्र में रूस के पुनः प्रभुत्व, वैश्विक मामलों में चीन की बढ़ती भूमिका और खोई हुई ज़मीन वापस पाने के लिए अमेरिका के प्रयासों के कारण हुआ है। यूव्रेन- रूस युद्ध, अमेरिकी टैरिफ नीति, ईरान-इज़राइल युद्ध, अरब- इज़राइल युद्ध और एससीओ के सदस्य देशों के बीच संबंधों के पुनर्गठन ने वैश्विक भू-राजनीति में बदलाव को आवश्यक बना दिया है। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) यूरेशिया में सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रीय समूहों में से एक के रूप में उभरा है, जो दुनिया की लगभग 40 प्रतिशत आबादी और वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के लगभग एक-चौथाई का प्रतिनिधित्व करता है। चीन, रूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान द्वारा 2001 में शंघाई में स्थापित, यह संगठन मुख्य रूप से एक सुरक्षावेंद्रित पहल के रूप में शुरू हुआ था, जिसका उद्देश्य आतंकवादरोधी सहयोग और विश्वास-निर्माण उपायों के माध्यम से मध्य एशिया में क्षेत्रीय स्थिरता को बढ़ावा देना था। इसकी उत्पत्ति 1996 के 'शंघाई फाइव' तंत्र से देखी जा सकती है, जिसने सीमा सीमांकन और सुरक्षा सहयोग को संबोधित किया था। 2001 में एक औपचारिक निकाय में इसके रूपांतरण और उसके बाद ताशवंद में क्षेत्रीय आतंकवाद-रोधी संरचना (ऊए) की स्थापना के साथ, एण्ध ने आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद की 'तीन बुराइयों' का मुकाबला करने पर ध्यान वेंद्रित किया। इन वर्षो में, एजेंडा का विस्तार आर्थिक सहयोग, संपर्व और सांस्वृतिक जुड़ाव तक हुआ, हालाँकि प्रगति असंगत रही है। समकालीन प्रासंगिकता और क्षेत्रीय सहयोग : आज के भूराजनीतिक परिवेश में, एससीओ प्रासंगिक है क्योंकि यह यूरेशियाई सहयोग के लिए एक गैर-पामिी संस्थागत मंच प्रदान करता है। ऐसे समय में जब क्षेत्र अफ़गानिस्तान में अस्थिरता, उग्रवाद के प्रसार और वैश्विक शत्ति परिवर्तन का सामना कर रहा है, एससीओ रूस और चीन को नाटो और यूरोपीय संघ जैसे पामिी नेतृत्व वाले संस्थानों के साथ संतुलन बनाने का एक तंत्र प्रदान करता है। मध्य एशिया के विशाल ऊर्जा संसाधन और कनेक्टिविटी परियोजनाओं का अंतर्सबंध, इस समूह के सामरिक महत्व को बढ़ाता है। इसके वरषिक शिखर सम्मेलन, रक्षा मंत्रियों की बैठवें और सांस्वृतिक आदान-प्रदान इस मंच को राजनीतिक रूप से दृश्यमान बनाए रखते हैं। हालाँकि, इसकी उपलब्धियाँ मिश्रित रही हैं। हालाँकि आरएटीएस खुफि या जानकारी साझा करने का समन्वय करता है और आतंकवाद-रोधी अयासों का आयोजन करता है, आतंकवाद का जारी रहना इसके प्रभाव की सीमाओं को उजागर करता है। आर्थिक सहयोग रुका हुआ है, क्योंकि एससीओ विकास बैंक और ऊर्जा क्लब जैसी परियोजनाएँ असहमतियों के कारण अधूरी रह गई हैं। सांस्वृतिक और शैक्षिक आदान-प्रदान मौजूद हैं, लेकिन सुरक्षा एजेंडे के लिए गौण बने हुए हैं। व्यवहार में, एससीओ गहन क्षेत्रीय सहयोग के संचालक के बजाय एक संवाद मंच के रूप में अधिक विकसित हुआ है। भारत और एससीओ : भारत के लिए, एससीओ अवसर और बाधाएँ दोनों प्रस्तुत करता है। इसकी सदस्यता मध्य एशिया, रूस और चीन के साथ सीधा जुड़ाव प्रदान करती है, जो इस क्षेत्र के साथ नई दिल्ली के सीधे जमीनी संपर्व के अभाव को देखते हुए एक महत्वपूर्ण अंतर को भरती है। आतंकवादरोधी ढाँचा खुफि या सहयोग की संभावनाएँ प्रदान करता है, हालाँकि पाकिस्तान की उपस्थिति इसकी प्रभावशीलता को सीमित करती है। कूटनीतिक रूप से, एससीओ में भागीदारी भारत की बहु-संरेखण रणनीति के अनुरूप है।

गुजरात के कृषि विकास के साथी, बीज निगम के गुणवत्तायुक्त व प्रमाणित बीज

(जीएनएस)।

गांधीनगर, 30 अगस्त :गुजराती में एक कहावत है, 'जिसकी दाल बिगड़ी, उसका दिन बिगड़ा और जिसका अचार बिगड़ा, उसका वर्ष बिगड़ा।' उसी प्रकार; कृषि क्षेत्र में भी कहा जा सकता है, 'जिसका बीज कमजोर, उसका पूरा वर्ष कमजोर'; कारण कि किसी भी फसल के उत्पादन में गुणवत्तायुक्त बीज सबसे बुनियादी एवं महत्वपूर्ण घटक होता है। यदि बीज ही उत्तम न हो; तो जमीन, पानी, खाद तथा किसान की मेहनत जैसे सारे फैक्टर्स निरर्थक सिद्ध होते हैं। गुणवत्तायुक्त बीज कृषि खर्च घटाकर तथा उत्पादन बढ़ाकर किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाता है।

गुजरात के किसानों को गुणवत्तायुक्त तथा प्रमाणित बीज प्रदान कर उनकी आय बढ़ाने के शुभाशय के साथ गुजरात राज्य बीज निगम (गुराबीनि) द्वारा उच्च गुणवत्तायुक्त बीज का उत्पादन व वितरण किया जाता है। निगम द्वारा राज्य के सुदूरवर्ती किसानों तक समय पर, उचित एवं उच्च गुणवत्तायुक्त बीज उचित दम पर उपलब्ध कराया जा रहा है। निगम द्वारा गत वर्ष 3.68 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज का उत्पादन किया गया, जिसके सापेक्ष चालू वर्ष 2025-26 में लगभग 3.40 लाख क्विंटल बीज का किसानों को वितरण किया जाएगा।

कृषि मंत्री श्री राघवजी पटेल ने यह विवरण देते हुए कहा कि बीज निगम द्वारा गेहूँ, धान, मूंगफली, हाइब्रिज अरंडी, सोयाबीन, चना, मूंग एवं जीरा सहित कुल 24 मुख्य फसलों की लगभग 125 से अधिक किस्मों के गुणवत्तायुक्त बीज का उत्पादन-सह-विक्रय किया जाता है। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में पिछले तीन वर्ष में बीज निगम द्वारा बीज का उत्पादन तथा विक्रय लगातार बढ़ रहा है। निगम द्वारा चालू वर्ष 2025-26 में 3.75 लाख क्विंटल बीज उत्पादन तथा वर्ष 2030 तक वार्षिक 4 लाख क्विंटल से अधिक बीज का वितरण करने का आयोजन किया गया है।

कृषि मंत्री ने जोड़ा कि बीज निगम द्वारा वर्ष 2022-23 में कुल 2.38 लाख क्विंटल बीज के उत्पादन के सापेक्ष गत वर्ष 2024-25 में कुल 3.68 लाख क्विंटल बीज का उत्पादन

किया गया था। यानी केवल दो ही वर्ष में बीज के उत्पादन में 1.30 लाख क्विंटल की वृद्धि देखी गई है। इसी प्रकार; वर्ष 2022-23 में कुल 2.49 लाख क्विंटल बीज के वितरण के सापेक्ष वर्ष 2024-25 में 2.97 लाख क्विंटल बीज की बिक्री की गई। इसमें भी केवल दो ही वर्ष में 48,000 क्विंटल की वृद्धि देखी गई है। ये आँकड़े स्पष्ट रूप से दशार्ते हैं कि बीज निगम लगातार अपना कार्यक्षेत्र एवं उत्पादन क्षमता बढ़ा रहा है।

राज्य सरकार की भूमिका तथा बीज निगम की कार्यपद्धति

1. गुणवत्ता का आश्वासन :निगम द्वारा सम्बद्ध क्षेत्र के प्रगतिशील किसानों के साथ मिलकर बीज उत्पादन कार्यक्रम किए जाते हैं। इस प्रक्रिया में बुवाई से लेकर फसल की कटाई, प्रोसेसिंग, पैकेजिंग तथा स्टोरेज तक की सभी बातों का वैज्ञानिक ढंग से निरीक्षण किया जाता है। इसमें उत्पादित बीज को प्रमाणन एजेंसी द्वारा प्रमाणित किया जाता है, जो सुनिश्चित करता है कि बीज की आनुवंशिक शुद्धता, भौतिक शुद्धता तथा अंकुरण क्षमता उच्चत स्तर की है।

2. वाजिब दाम तथा आसान उपलब्धता :निगम द्वारा राज्यभर में गाँव, तहसील एवं जिला स्तर पर सहकारी संस्थाओं तथा निजी अधिकृत बीज विक्रेताओं के माध्यम से बीज का विक्रय-वितरण किया जाता है। हाल में निगम का कुल 1289 अधिकृत बीज विक्रेताओं का विशाल नेटवर्क है। इसमें 401 सहकारी संस्थाएँ, 367 कृषि-क्लिनिक्स तथा कृषि व्यवसाय केन्द्र, 521 निजी संस्थाएँ शामिल हैं। इस नेटवर्क के माध्यम से राज्य के सुदूरवर्ती-दूरदराजी क्षेत्रों के किसानों को भी समान दाम पर तथा आसानी से बीज मिल जाते हैं।

3. कृषि अनुसंधान को वेग :बीज निगम कृषि विश्वविद्यालयों तथा अनुसंधान संस्थाओं द्वारा नई सिफारिश की गई किस्मों के बीज उत्पादन को प्राथमिकता देता है और पुरानी किस्मों का उत्पादन कम करके, वेराइटल रिप्लेसमेंट रेट (वीआरआर) तथा सीड रिप्लेशमेंट रेशियो (एसआरआर) बढ़ाने का प्रयास करता है। इससे नई अधिक उपज देने वाली तथा रोगप्रतिकारक किस्में तेजी से किसानों तक पहुँचती हैं और समग्र कृषि क्षेत्रकी उत्पादकता में सुधार होता है।

इसी कारण आज गुजरात राज्य बीज निगम केवल बीज का उत्पादन तथा विक्रय करने वाली एक संस्था ही नहीं, बल्कि गुजरात के अनेक किसानों के विश्वास का प्रतीक बना है।

'प्रेम ह्रदय की स्वामिनी : राधा रानी'

राधा अष्टमी प्रेम स्वरूपा परम पुनिता किशोरी जी राधा रानी का प्राकट्य दिवस है। ईश्वर की लीला में कृष्ण जन्मोत्सव के आनंद से उल्लासित होने वाले सभी भक्त अब रासेश्वरी ब्रज की महारानी के प्राकट्य दिवस में प्रेम पूर्वक भक्ति की यात्रा की ओर अग्रसर होगें। कहते है श्री कृष्ण की प्रसन्नता राधे-राधे नाम में निहित है। बरसाने वाली राधा रानी तो केवल प्रेम की कृपा बरसाने के लिए प्रकट हुई है। कृष्ण की शक्ति स्वरूपा राधा रानी है। प्रेम स्वामिनी कोमल ह्रदय से परिपूरित चन्द्रचकोरी राधा प्रेम की अनुभूति ही भक्त के जीवन में प्रदान करती है। जहाँ प्रेम होता है वहाँ ज्ञान नगण्य हो जाता है। गुण-दोष समाप्त हो जाते है।

प्रेम एक बंधन नहीं अपितु बंधन से ऊपर सर्वस्व समर्पण है। राधा-कृष्ण का मधुर संगम जीवन में प्रेम की अनुपम धारा को प्रवाहित कर देता है। कृष्ण ब्रज से जाने के पश्चात कभी प्रेम स्वरूपा राधा को नहीं भूले, उसी प्रकार राधा भी कृष्ण के वियोग के वेदना को ही शिरोधार्य करती रही। कृष्ण के प्रेम को ही राधा अपना सर्वस्व मानती है। ब्रज की महारानी प्रेम को छल से अलग रखने की ओर प्रेरित करती है और निश्छल-निष्काम प्रेम की उत्कृष्टता को प्रदर्शित करती है। जब कृष्ण ब्रज से गए तो वे किशोरी जी को बाँसुरी भेंट कर के गए और कह कर गए की मेरी स्मृति में तुम यह बाँसुरी बजा लेना। तब श्री राधा रानी ने कहा की कन्हैया की मैं तुम्हे कभी भूलूंगी ही नहीं तो फिर बंसी कब बजाऊँगी।

राधा केवल एक नाम नहीं है बल्कि कोमल, माधुर्य एवं प्रेम ह्रदय की स्वामिनी का एक भाव है, जीवन में प्रेमपूर्वक की गई भक्ति का आनंद प्रवाहित करता है। राधा प्रेम की अभिव्यक्ति है। भावों की सरलता एवं सुंदरता से सुशोभित होती है। राधा की भक्ति में सर्वस्व श्री कृष्ण का निष्काम प्रेम है। राधा के प्रेम की शक्ति के अधीन श्री कृष्ण राधे नाम स्मरण करने से स्वयं भक्त के समक्ष होते है। जिस प्रकार कृष्ण के ह्रदय में राधे है उसी प्रकार राधे के ह्रदय में प्रेम स्वरुप श्री कृष्ण विराजमान है। हमें भी अपने जीवन में उस प्रेम के प्रतीक राधे-कृष्ण की जोड़ी को ह्रदय में विराजमान करना है। उद्धव श्री कृष्ण को ब्रह्म स्वरुप जानते थे और यही ज्ञान वह ब्रज वासियों को देने के लिए ब्रज गए, परन्तु ब्रज में निवासरत सभी के निष्काम प्रेम ने उद्धव के ज्ञान को भी प्रेम की भक्ति में परिवर्तित कर दिया। श्री कृष्ण के प्रति ब्रज वासियों का निश्छल प्रेम कृष्ण के प्रति अपनत्व के भावों ने उद्धव के ज्ञान को उद्वेलित कर दिया। वे समझ गए की जीवन में प्रेम का कितना महत्त्व है।

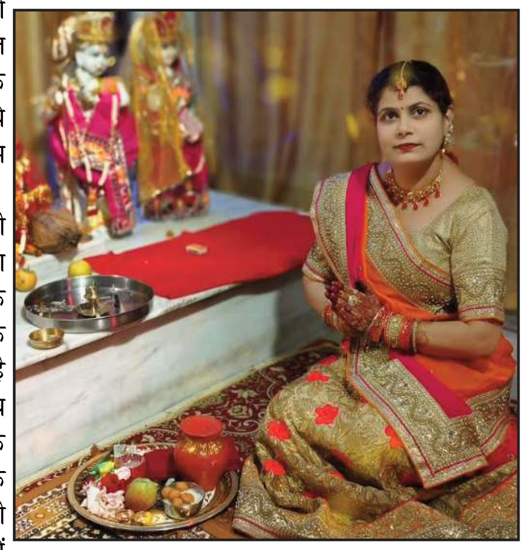

प्रेम की उत्कृष्ट भावों की माला में राधा-कृष्ण का सर्वोच्च स्थान है। वे दोनों एक ही स्वरुप है। कृष्ण प्रत्येक प्राणी को आकर्षित करते है और राधा उनमें प्रेम भाव प्रवाहित करती है, पर राधा के प्रेम में आकर्षण नहीं बल्कि सर्वस्व न्यौछावर करने की प्रेरणा निहित है। उस प्रेम में प्रेमी का कल्याण और हित होता है। वृन्दावन विहारिणी रासेश्वरी कृष्ण की सहचरी नहीं है बल्कि उनकी दिव्य शक्ति स्वरूपा है। अगाध प्रेम की स्वामिनी राधा रानी का प्राकट्य वृषभानु (सूर्य भगवान के अवतार) के यहाँ हुआ, क्योंकि भगवान विष्णु के अवतार विश्व मोहिनी का स्वरुप देखकर सूर्य भगवान के मन में उन्हें पुत्री रूप में प्राप्त करने की इच्छा हुई और ईश्वर तो भक्त के अधीन होते है और प्रभु ने भक्त की इच्छा पूर्ण करने के लिए राधा रानी के रूप में आना स्वीकार किया और भाद्रपद की शुक्ल अष्टमी को राधा रानी का प्राकट्य हुआ। श्री राधा रानी प्रेम, भक्ति और कृपा की अधिष्ठात्री देवी है। राधा के लिए श्री कृष्ण उनका सम्पूर्ण संसार है। निष्काम प्रेम की प्रतिमूर्ति राधे भक्त को ह्रदय में शांति एवं प्रेम प्रदान करती है।

राधा रानी का प्राकट्य हमें शिक्षा देता है कि कृष्ण तक पहुँचने का सबसे सुलभ मार्ग निश्छल एवं निष्काम प्रेम है, प्रभु उसी के अधीन होते है। राधा रानी के प्रेम में सर्वस्व समर्पण था कोई अपेक्षा नहीं थी। राधा अष्टमी कोई धार्मिक तिथि या त्यौहार नहीं है बल्कि यह प्रेम और करुणा से ईश्वर की साधना का सर्वोच्च समय है। राधा का प्राकट्य श्री कृष्ण की भक्ति को परिपूर्णता प्रदान करने के लिए ही हुआ है, जिससे प्रेम के बीज का अंकुरण ह्रदय में होता है।

आज के भौतिकतावादी युग में निष्काम प्रेम का भाव नगण्य हो गया है, पर प्रभु से निष्काम प्रेम किया जा सकता है क्योंकि वे ही प्रेम की सच्चाई से पूर्णतः परिचित है। राधा रानी का स्वरुप हमें प्रेम के प्रति दृढ़ता सिखाता है। ईश्वर प्राप्ति में आडम्बर नहीं वरन शुद्ध ह्रदय से प्रेम का भाव महत्वपूर्ण है। राधा का प्रेम निष्कपटता, समर्पण, त्याग एवं करुणा जैसे अलंकारों से सुशोभित होता है। उसमें स्वार्थ का कोई अस्तित्व नहीं है। भक्त जब श्री राधा रानी की शरण में जाता है तो वह प्रेम पूर्वक अपनी भक्ति की यात्रा को पूर्ण करता है। कृष्ण राधा का सम्बन्ध लौकिक एवं अलौकिक प्रेम से ऊपर निष्काम प्रेम का प्रतीक है। वह प्रेम भक्ति और करुणा का अटूट संगम है। राधा अष्टमी में व्रत एवं पूजा का विधान सिर्फ ईश्वर के प्रति भाव को प्रगाढ़ करने के लिए है। राधा रानी मूलतः जीवन में प्रेमभाव को प्रबलता प्रदान करती है और ईश्वर से मिलन का मार्ग प्रशस्त करती है। तो आइये हम श्री कृष्ण वल्लभा राधे राधे के नाम उद्घोष से कृष्ण की कृपा को प्राप्त कर आध्यात्मिक यात्रा की ओर उन्नयन करते है। जय जय श्री राधे।

डॉ. रीना रवि मालपानी (कवयित्री एवं लेखिका)

प्रेषकः

डॉ. रीना रवि मालपानी

'परम सुंदरी' ने ओपनिंग डे पर किया ऐसा कमाल, कमाए इतने करोड़

(जीएनएस)।

बॉलीवुड की नई रिलीज 'परम सुंदरी' ने बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद से बेहतर शुरूआत की है। सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर स्टारर इस फिल्म को लेकर शुरूआती रिस्पॉन्स बहुत मजबूत नहीं था।

लोगों को पसंद आ रही है फिल्म 'परम सुंदरी'

फिल्म के ट्रेलर को खास पसंद नहीं किया गया था और जाह्नवी कपूर के किरदार पर भी सवाल उठे थे, लेकिन इन सबके बावजूद फिल्म ने ओपनिंग डे पर अच्छा प्रदर्शन किया है। दर्शकों को फिल्म पसंद आ रही है।

फिल्म ने ओपनिंग डे पर की इतनी कमाई

-सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक गत 28 अगस्त 2025 को रिलीज हुई फिल्म 'परम सुंदरी' ने पहले दिन 7.25 करोड़ रुपये का कुल कलेक्शन किया है। करीब 50 करोड़ रुपए के बजट में बनी इस फिल्म के

लिए ये आंकड़ा संतोषजनक माना जा रहा है।

-अगर आने वाले दिनों में भी फिल्म इसी रफ्तार से कमाई करती रही, तो एक-दो हफ्तों में ये अपने बजट का औसत निकाल लेगी। ओपनिंग डे पर फिल्म की ऑक्यूपेंसी भी ठीकठाक रही। सुबह के शोज- 8.19 फीसदी, दोपहर के शोज-11.45 फीसदी, शाम के शोज- 12.27 फीसदी और रात के शोज 19.77 फीसदी भरे रहे।

क्यों देखें फिल्म 'परम सुंदरी'?

-इसके अलावा शाम और रात के शोज में दर्शकों की संख्या बढ़ी थी, जिससे बॉक्स ऑफिस पर फिल्म को मजबूती मिली है। आपको बता दें कि फिल्म का एक पहलू इसकी पृष्ठभूमि है। 'परम सुंदरी' साउथ कल्चर और बैकग्राउंड पर आधारित है, जबकि मैडॉक फिल्म्स की ज्यादातर फिल्में यूपी-एमपी की झलक लिए होती हैं। यही कारण है कि हिंदी बेल्ट के दर्शकों से फिल्म को थोड़ी चुनौती मिल सकती है।

-हालांकि फिल्म 'परम सुंदरी' के लिए दो बड़े प्लस प्वाइंट्स भी हैं। एक तो ये फिल्म पूरी तरह से फैमिली ऑडियंस के लिए उपयुक्त है। इसके अलावा आने वाले हफ्ते में कोई बड़ी रिलीज नहीं है, जिससे इसे बॉक्स ऑफिस पर खुलकर रन करने का मौका मिलेगा।

-फिल्म का पहले दिन का कलेक्शन भले ही धमाकेदार न हो, लेकिन फिल्म की शुरूआत पॉजिटिव रही है। अगर कंटेंट ने दर्शकों को पकड़ लिया, तो परम सुंदरी भी सैयारा जैसी स्लीपर हिट साबित हो सकती है।

एयरफोर्स के वाइस चीफ मार्शल ने ऑपरेशन सिंदूर की ताजा फुटेज शेयर की, खोला चौंकाने वाला राज

(जीएनएस)।

भारतीय वायुसेना के वाइस चीफ एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' से जुड़े महत्वपूर्ण खुलासे किए हैं। उन्होंने शनिवार को इस सैन्य अभियान से संबंधित नई फुटेज और विवरण साझा किए, जो मई में पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकी ठिकानों के खिलाफ भारत की जवाबी कार्रवाई थी। यह अभियान पहलगाम हमले के बाद शुरू किया गया था, जिसमें 26 लोग मारे गए थे।

एयर मार्शल तिवारी ने एनडीटीवी डिफेंस समिट में बताया कि पाकिस्तान को संघर्षविराम के लिए मजबूर करने में भारतीय वायुसेना ने 50 से भी कम हथियारों का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा, "हमारे पास विकल्पों की सूची में कई लक्ष्य समूह थे, और अंततः हमने नौ लक्ष्यों को चुना।" उन्होंने यह भी जोड़ा, "हमारे लिए मुख्य बात यह रही कि हमने 50 से भी कम हथियारों

में संघर्ष को समाप्त करने में सफलता प्राप्त की। मैं चाहता हूं कि आप इस बात को समझें।"

तिवारी ने पहली बार सार्वजनिक मंच पर 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में विस्तार से बात की। उन्होंने बताया कि पहलगाम हमले के ठीक अगले दिन, तीनों सेनाओं ने अपने मुख्यालयों में बैठक की और संभावित जवाबी कार्रवाई की योजना बनानी शुरू की। उन्होंने कहा, "इनमें से कुछ योजनाएं और आकस्मिकताएं हम समय के साथ तैयार करते रहते हैं, और ऐसी आपात स्थितियों के लिए उन्हें बाहर निकालते हैं जब हमें तेजी से प्रतिक्रिया देनी होती है।"

ऑपरेशन की योजना पर 24 अप्रैल को एक उच्च-स्तरीय टीम के सामने प्रस्तुत किया गया था। तिवारी ने जानकारी दी, "तीनों सेवाओं के लिए सभी संभावित विकल्पों पर चर्चा की गई, और हमने मुख्य रूप से लक्ष्य छांटे और 29 अप्रैल के आसपास सामरिक योजना शुरू की।" उन्होंने बताया कि लक्ष्य तय हो चुके थे, केवल तारीख और समय तय करना बाकी था, जिसे अंततः 5 मई को तय किया गया।

उन्होंने आगे कहा, "जैसा कि आप जानते हैं, 6, 7 (भोर में) और 9 मई को हमने लक्ष्यों पर हमला किया।" एयर मार्शल तिवारी के अनुसार, नई दिल्ली के शीर्ष निदेर्शों के तीन स्पष्ट उद्देश्य थेः प्रतिक्रिया मजबूत और स्पष्ट होनी चाहिए, संदेश भविष्य के हमलों के खिलाफ एक निवारक के रूप में कार्य करना चाहिए, और सशस्त्र बलों को पूर्ण परिचालन स्वतंत्रता मिलनी चाहिए,

बांग्लादेश-नीदरलैंड्स में जोरदार टक्कर आज, कितने बजे शुरू होगा मैच? कैसे देखें लाइव मुकाबला

(जीएनएस)।

एशिया कप के लिए बांग्लादेश ने तैयारी शुरू कर दी है और नीदरलैंड्स के खिलाफ आज मैच खेला जाना है। सिलहट में होने वाले टी20 में घरेलू टीम एक जीत दर्ज करने का प्रयास करेगी। एशिया कप खेलने वाली लगभग हर टीम कहीं न कहीं इंटरनेशनल मैच खेलने का प्रयास कर रही हैं। टीम इंडिया रेस्ट कर रही है।

अगले साल टी20 वर्ल्ड कप का आयोजन भारत और श्रीलंका में होना है। उसे देखते हुए नीदरलैंड्स ने बांग्लादेश दौरा करने का निर्णय लिया। डच टीम पहली बार बांग्लादेश दौरे पर है। तीन टी20 मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला आज है।

भारतीय समय के अनुसार इस मैच की शुरूआत शाम 5:30 बजे हो जानी है। मुकाबले का टॉस शाम 5 बजे होगा। दोनों टीमों में बांग्लादेश को मजबूत माना जा सकता है। घरेलू कंडीशंस का फायदा भी बांग्लादेश की टीम उठाने वाली है।

जहां तक इस मैच के लाइव प्रसारण का सवाल है, तो भारत में कोई टीवी चैनल इस मैच का सीधा प्रसारण नहीं करेगा। फैन्स को ओटीटी पर यह मैच देखने का मौका मिलने वाला है। ओटीटी प्लेटफॉर्म में फैनकोड का पास मैच प्रसारित करने के अधिकार हैं, वहां लाइव देखा जा सकता है। हालांकि इसके लिए सब्सक्रिप्शन होना जरूरी है।

कैसी रहेगी पिच

जहां तक पिच का सवाल है, तो यह स्पिनरों के लिए मददगार रहने वाली है। बांग्लादेश आम तौर पर इस तरह की पिचें बनाकर विपक्षी टीम को हराने का काम करता है। यह कई बार हुआ है। एक तरह से ये डेड पिचों की तरह होती हैं।

बांग्लादेश टीमः तंजीद हसन तमीम, परवेज हुसैन इमोन, लिटन दास (विकेटकीपर/कप्तान), तौहीद ह्रदयो, जाकिर अली, शमीम हुसैन, महेदी हसन, रिशाद हुसैन, तंजीम हसन साकिब, शरीफुल इस्लाम, मुस्तफिजुर रहमान, मोहम्मद सैफुद्दीन, नासुम अहमद, नुरुल हसन, सैफ हसन, तास्किन अहमद

नीदरलैंड्स टीमः मैक्स ओ'डॉउड, विक्रमजीत सिंह, स्कॉट एडवर्ड्स (विकेटकीपर/कप्तान), नोआ क्रोस, सेड्रिक डी लांग, तेजा निडामनुरु, सिकंदर जुल्फिकार, सेबास्टियान ब्राट, आर्यन दत्त, डैनियल डोरम, पॉल वान मीकेरेन, बेन फ्लेचर, काइल क्लेन, टिम प्रिंगल, शारीज अहमद

'वीकेंड का वार' में सलमान खान का फूटेगा गुस्सा, कॉमेडियन प्रणित मोरे पर बरसेंगे सुपरस्टार

(जीएनएस)।

टीवी का पॉपुलर रिएलिटी शो 'बिग बॉस 19' का पहला 'वीकेंड का वार' बस शुरू होने वाला है। आज यानी 30 अगस्त 2025 (शनिवार) रात को शो के होस्ट सलमान खान आएंगे और घरवालों की पूरे हफ्ते की क्लास लेंगे।

कॉमेडियन प्रणित मोरे को सलमान खान की फटकार

इस बार का प्रोमो दर्शकों के बीच जबरदस्त चर्चा में है, क्योंकि इसमें सलमान खान सीधे कॉमेडियन प्रणित मोरे को फटकार लगाते दिखाई दे रहे हैं। नए प्रोमो में सलमान खान कहते हैं- प्रणित... स्टैंडअप कॉमेडियन। मुझे पता है कि आपने मेरे बारे में

क्या-क्या बोला है। आपके जोक्स सही नहीं थे।

वीकेंड का वार का प्रोमो हुआ वायरल

-सलमान खान आगे कहते हैं- अगर आप मेरी जगह होते और मैं आपकी जगह अंदर होता, तो आप कैसे रिएक्ट करते? लोगों को हंसाना था, आपने मेरा नाम यूज किया, लेकिन मुझे नहीं लगता कि आपको 'बिलो द बेल्ट' जाना चाहिए।

-सलमान खान की डांट सुनकर घर में मौजूद तान्या मित्तल से लेकर बसीर अली तक सभी चौंक जाते हैं और माहौल गंभीर हो जाता है। वीकेंड का वार के इस प्रोमो ने फैंस को एक्साइटेड कर दिया है। ट्विटर और इंस्टाग्राम पर लोग तरह-तरह के मजेदार कमेंट्स कर रहे हैं।

-एक यूजर ने लिखा है- वीकेंड पर जबरदस्त मजा आएगा, सबको उनकी असलियत दिखेगी। एक दूसरे शख्स ने मजाक में लिखा है- प्रणित मोरे का सलमान खान ने मोये मोये कर दिया। एक दूसरे यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा है- भाईजान के सामने बड़ी-बड़ी तोपें भी फुस्स हो जाती हैं, अब देखना है कि प्रणित कैसे संभलते हैं।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

पश्चिम रेलवे द्वारा मुंबई सेंट्रल एवं इंदौर के बीच स्पेशल ट्रेन के फेरे विस्तारित

मुंबई, 30 अगस्त, 2025

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा विशेष रूप से त्योहारी सीजन के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से मुंबई सेंट्रल एवं इंदौर के बीच विशेष किराये पर चलने वाली स्पेशल ट्रेन के फेरों को मौजूदा समय, ठहराव और संरचना के अनुसार विस्तारित किया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार है:

ट्रेन संख्या 09085/09086 मुंबई सेंट्रल – इंदौर (त्रि – साप्ताहिक) स्पेशल [12 फेरे]

ट्रेन संख्या 09085 मुंबई सेंट्रल – इंदौर स्पेशल ट्रेन प्रत्येक सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को मुंबई सेंट्रल से 23.20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13.00 बजे इंदौर पहुँचेगी। इस ट्रेन के फेरों को 1 से 12 सितंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09086 इंदौर –मुंबई सेंट्रल स्पेशल ट्रेन इंदौर से प्रत्येक मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को 17.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07.10 बजे मुंबई सेंट्रल पहुँचेगी। इस ट्रेन के फेरों को 2 से 13 सितंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, दाहोद, रतलाम और उज्जैन स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी 2-टियर और एसी 3-टियर कोच हैं।

ट्रेन संख्या 09085 एवं 09086 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 31 अगस्त, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

उत्तर रेलवे के कठुआ-माधोपुर पंजाब सेक्शन में बारिश के कारण रेल यातायात प्रभावित

उत्तर रेलवे के कठुआ-माधोपुर पंजाब सेक्शन में डाउन लाइन पर ब्रिज संख्या 17 पर बारिश के चलते मिसअलाइमेंट होने के कारण रेल यातायात स्थगित किया गया है। जिसके कारण अहमदाबाद मण्डल से चलने/गुजरने वाली कुछ ट्रेनें प्रभावित रहेगी। जिसका विवरण निम्नानुसार है:

निरस्त ट्रेनें:-

1. दिनांक 31.08.2025 की ट्रेन संख्या 19223 साबरमती-जम्मू तवी एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
2. दिनांक 31.08.2025 की ट्रेन संख्या 12478 श्री माता वैष्णो देवी कटरा- जामनगर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
3. दिनांक 31.08.2025 की ट्रेन संख्या 19415 साबरमती-श्री माता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
4. दिनांक 31.08.2025 की ट्रेन संख्या 19224 जम्मू तवी-साबरमती एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
5. दिनांक 31.08.2025 की ट्रेन संख्या 19107 भावनगर टर्मिनस-शहीद कप्तान तुषार महाजन ऊधमपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

31 अगस्त को भावनगर टर्मिनस से चलने वाली भावनगर-शहिद कप्तान तुषार महाजन जन्मभूमि एक्सप्रेस पूर्णतः रद्द

परिचालन कारणों से पश्चिम रेलवे के भावनगर मंडल से चलने वाली भावनगर टर्मिनस-शहिद कप्तान तुषार महाजन जन्मभूमि एक्सप्रेस को रद्द किया गया है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि झ

● दिनांक 31 अगस्त 2025 (रविवार) को भावनगर टर्मिनस स्टेशन से प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 19107 भावनगर टर्मिनस-शहिद कप्तान तुषार महाजन जन्मभूमि एक्सप्रेस का संचालन पूर्णतः निरस्त रहेगा।

यात्रियों की सुविधा हेतु इस ट्रेन के ठहराव, संरचना एवं समय-सारणी से संबंधित विस्तृत जानकारी वेबसाइट www. enquiry. indianrail. gov.inपर उपलब्ध है।

पश्चिम रेलवे यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त करता है और उनके सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित करता है।

'स्वदेशी एयरो-इंजन से लेकर सुदर्शन चक्र तक', राजनाथ सिंह ने सेना को अपग्रेड करने वाली योजनाओं का किया खुलासा

(जीएनएस)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हाल ही में नोएडा में एक निजी एयरो इंजन परीक्षण सुविधा का उद्घाटन करते हुए भारत के सैन्य उन्नयन के लिए सरकार की योजनाओं की घोषणा की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वर्तमान समय में भारतीय सेना विदेशी आपूर्तियों पर निर्भर नहीं रह सकती।

सिंह ने अपने संबोधन में बताया कि प्रस्तावित 'सुदर्शन चक्र' वायु रक्षा प्रणाली के तहत अगले दस वर्षों में देश की सभी महत्वपूर्ण संस्थापनाओं को हवाई सुरक्षा प्रदान की जाएगी। पीटीआई के अनुसार, इस प्रणाली में सुरक्षा खतरों से निपटने के लिए आक्रामक और रक्षात्मक दोनों तरह के तत्व शामिल होंगे।

फ्अखठअळल रक्ठ्क्रू

उन्होंने राफे एमफाइबर प्राइवेट लिमिटेड की रक्षा उपकरण और इंजन-परीक्षण सुविधा को "आत्मनिर्भर भारत का एक मजबूत प्रतिबिंब" बताया। सिंह ने कहा कि भारत एक शक्तिशाली स्वदेशी एयरो-इंजन विकसित करेगा, जिसके लिए तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है और काम जल्द ही शुरू होगा। उन्होंने 'सुदर्शन चक्र' पहल को भारत की भविष्य की सुरक्षा के लिए "गेम-चेंजिंग" बताया।

रक्षा मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि ड्रोन आधुनिक युद्ध रणनीति के लिए महत्वपूर्ण हो गए हैं और उन्हें भारत की युद्ध नीति में शामिल किया जाना चाहिए। सिंह ने कहा, "सामान्य तौर पर, जब हम 'विमान' शब्द सुनते हैं, तो तेजस, राफेल और लड़ाकू जेट की तस्वीरें दिमाग में आती हैं। यह स्वाभाविक है, क्योंकि ये सभी लड़ाकू विमान हैं।"

हालांकि, उन्होंने कहा कि आज के बदलते समय में, ड्रोन युद्ध के मैदान में एक "महत्वपूर्ण शक्ति" के रूप में उभरे हैं। रक्षा मंत्री ने रूस-यूक्रेन संघर्ष का उदाहरण देते हुए कहा कि ड्रोन इसमें निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं और दोनों पक्ष उनका बड़े पैमाने पर उपयोग कर रहे हैं। पीटीआई ने सिंह के हवाले से कहा, "अगर आप रूस-यूक्रेन संघर्ष को करीब से देखेंगे, तो आप देखेंगे कि ड्रोन का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया गया है - पहले, अब, और लगातार।"

उन्होंने कहा कि यह ड्रोन के महत्व को समझने की आवश्यकता को सामने लाता है और कैसे उन्हें भारत की युद्ध नीति में शामिल करना आवश्यक हो गया है। सिंह ने ड्रोन के इतिहास पर भी प्रकाश डाला, यह याद करते हुए कि पहले उनका उपयोग केवल निगरानी और टोही के लिए किया जाता था।

बाद में, कुछ देशों ने लड़ाकू उद्देश्यों के लिए ड्रोन विकसित करना शुरू कर दिया, और कई राष्ट्रों ने इन्हें अपने सीमा संघर्षों में तैनात किया।

14 साल के बैंकिंग अनुभव वाला शख्स फुटपाथ पर बिता रहा जिंदगी

(जीएनएस)।

बेंगलुरु में एक सड़क किनारे बैठे व्यक्ति की कहानी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है, जिसने नेटिजन्स के बीच गहरी बहस छेड़ दी है। यह मामला एक Reddit पोस्ट के माध्यम से सामने आया, जिसमें एक व्यक्ति फुटपाथ पर बैठा हुआ दिख रहा है और उसके हाथ में एक नोट है जिसमें लिखा है कि उसके पास न नौकरी है और न ही घर।

यह पोस्ट @Being-Brilliant नाम के एक Reddit यूजर ने शेयर की, जिसमें बेंगलुरु के एक व्यस्त चौराहे पर बैठे व्यक्ति की दो तस्वीरें थीं। तस्वीर में वह व्यक्ति एक बैकपैक के साथ बैठा है और मदद की गुहार लगाता दिख रहा है। दूसरी में उसके हाथ में पकड़े नोट को करीब से दिखाया गया था।

नोट पर अंग्रेजी और कन्नड़ दोनों भाषाओं में संदेश लिखा था। अंग्रेजी भाग में लिखा था, "मेरे पास नौकरी नहीं है, घर नहीं है, कृपया मेरी मदद करें। मुझे बैंकिंग में 14 साल का कार्य अनुभव है।" इसके अलावा, उसने एक छोटा क्यूआर कोड वाला पेपर भी दिखाया, जो संभवतः डिजिटल भुगतान या योगदान के लिए था।

"इस हालत में देखना दिल दहला देने वाला है"

इस पोस्ट के कैप्शन में @Being-Brilliant ने लिखा, "मैं बेंगलुरु के एक प्रमुख चौराहे पर इस व्यक्ति से मिला। उसे इस हालत में देखना दिल दहला देने वाला है, लेकिन मैं यह सोचता रहता हूँ कि क्या यह समाज की विफलता है या व्यक्तिगत पसंद का नतीजा?" इस पोस्ट ने तुरंत लोगों का ध्यान खींचा और मिला-जुला रिएक्शन मिला।

यूजर्स कर क्या कर रहे कमेंट?

इस शख्स की स्टोरी पर लोगों ने अलग-अलग राय व्यक्त की। एक यूजर ने कमेंट किया कि, "लोग उसकी मदद कर सकते हैं और उसके अनुभव के आधार पर उसे नौकरी भी

मिल सकती है।" वहीं, एक अन्य यूजर ने कहा, "एक युवा व्यक्ति के लिए इस तरह भीख मांगने का कोई बहाना नहीं है, खासकर बेंगलुरु जैसे शहर में जहां काम करने के इच्छुक लोगों के लिए बहुत सारी नौकरियां हैं।"

यूजर बोला- लंबे समय तक बेरोजगार रहते हैं जो...

एक अलग यूजर ने लिखा, "ज्यादातर लोग कह रहे हैं कि यदि वह शारीरिक रूप से सक्षम है, तो उसे डिलीवरी या ड्राइविंग जैसा कोई काम करना चाहिए। लेकिन सच्चाई यह है कि यदि आप लंबे समय तक बेरोजगार रहते हैं, तो मानसिक रूप से टूटकर अवसादग्रस्त होने की संभावना होती है। यह भी एक बाधा पैदा करता है।"

एक यूजर ने लिखा, "एक आदमी के जीवन का तब तक सम्मान नहीं होता जब तक वह कमाता नहीं है। उसकी कहानी जाने बिना उसे जज करना अनुचित लगता है।" एक और व्यक्ति ने उसकी परिस्थितियों पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए पूछा, "क्या उसने अपने सर्टिफिकेट खो दिए या वे नष्ट हो गए? जो भी हो, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। लेकिन अगर यह सिर्फ काम करने की उसकी अनिच्छा है, तो यह एक व्यक्तिगत मुद्दा बन जाता है।"

देश के बेस्ट परफॉर्मिंग सीएम की लिस्ट जारी - नीतीश गायब, योगी 5वें स्थान पर

(जीएनएस)।

देश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री और बेस्ट परफॉर्मिंग सीएम की नई लिस्ट सामने आई है। इंडिया टुडे-सीवोटर मूड ऑफ द नेशन (MOTN) सर्वे के आंकड़े सामने आए हैं और इसमें देश के मुख्यमंत्रियों की परफॉर्मेंस को लेकर जनता की राय ली गई। नतीजे वाकई चौंकाने वाले हैं क्योंकि इस बार बेस्ट परफॉर्मिंग सीएम की लिस्ट में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का नाम कहीं नहीं है। इतना ही नहीं महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस का भी नाम बेस्ट परफॉर्मिंग सीएम की लिस्ट से बाहर है। हालांकि ये दोनों नेता लोकप्रिय मुख्यमंत्री की लिस्ट में शामिल हैं।

सर्वे में जब लोगों से यह सवाल पूछा गया कि देश का सबसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री कौन है? तो सबसे ज्यादा लोगों ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का नाम लिया। सीएम योगी को देशभर के 36% लोगों ने सबसे बेहतर मुख्यमंत्री माना है। सीएम योगी ने अपनी लोकप्रियता बरकरार रखी है। फरवरी 2025 में उनकी स्वीकृति रेटिंग 35% थी, जो अब अगस्त 2025 में बढ़कर 36% हो गई है। हालांकि परफॉर्मिंग सीएम की लिस्ट में राष्ट्रीय स्तर पर सीएम योगी 5वें नंबर पर हैं।

ममता बनर्जी और चंद्रबाबू नायडू की लोकप्रियता बरकरार

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी अपनी स्थिति मजबूत की। फरवरी में उनका आंकड़ा 11% था, जो अगस्त 2025 में बढ़कर 13% हो गया। इस तरह वे राष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय मुख्यमंत्रियों की लिस्ट में दूसरे स्थान पर कायम हैं। हालांकि बेस्ट परफॉर्मिंग सीएम की लिस्ट में वो 9वें नंबर पर हैं।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू भी लगातार अपनी पकड़ मजबूत कर रहे हैं। फरवरी 2025 में उनकी रेटिंग 5% थी, जो अगस्त में बढ़कर 7% हो गई और लोकप्रिय मुख्यमंत्रियों की लिस्ट में वे तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। हालांकि बेस्ट परफॉर्मिंग सीएम की लिस्ट में वो 7वें नंबर पर हैं।

असम के हिमंत बिस्वा सरमा बने देश के बेस्ट परफॉर्मिंग सीएम

सर्वे के मुताबिक असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा बड़े राज्यों में सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले मुख्यमंत्री बने हैं। अगस्त 2025 में 44.6% लोगों ने उनके कामकाज को संतोषजनक बताया। हालांकि, उनकी लोकप्रियता फरवरी 2025 में 55% थी, जो अब घटकर 44.6% रह गई है। बावजूद इसके वे देशभर के मुख्यमंत्रियों में नंबर 1 पर हैं।

● हेमंत सोरेन और विष्णु देव साय की बड़ी छलांग

◆ छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की लोकप्रियता भी फरवरी के 39% से बढ़कर अगस्त में 42% हो गई। विष्णु देव साय टॉप-10 की लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं।

◆ झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की लोकप्रियता में सबसे बड़ा उछाल देखने को मिला। फरवरी में जहां उनका आंकड़ा 31% था, वहीं अगस्त में यह बढ़कर 42% हो गया। हेमंत सोरेन टॉप-10 की लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं। दोनों नेताओं ने इस सर्वे में शानदार प्रदर्शन किया और टॉप परफॉर्मर्स की लिस्ट में मजबूती से जगह बनाई।

● ईश्३ ढी१ङ्क्ष्ेल्लॅ उट छ२३: सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले मुख्यमंत्री (बड़े राज्यों में) (10 से ज्यादा लोकसभा सीट वाले राज्य)

1. हिमंत बिस्वा सरमा (असम) - 44.6%
2. विष्णु देव साय (छत्तीसगढ़) - 41.9%
3. हेमंत सोरेन (झारखंड) - 41.9%
4. भूपेंद्र पटेल (गुजरात) - 40.7%
5. योगी आदित्यनाथ (उत्तर प्रदेश) - 40.4%
6. मोहन यादव (मध्य प्रदेश) - 39.2%
7. चंद्रबाबू नायडू (आंध्र प्रदेश) - 38.1%
8. मोहन चरण मजी (ओडिशा) - 34.2%
9. ममता बनर्जी (पश्चिम बंगाल) - 30.1%

10 भगवंत सिंह मान (पंजाब) - 29.9%

● नीतीश कुमार क्यों नदारद?

सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जो अक्सर राष्ट्रीय राजनीति और चचाओं में छाए रहते हैं, इस लिस्ट में कहीं भी दिखाई नहीं दिए। इससे राजनीतिक गलियारों में अटकलें तेज हो गई हैं कि क्या बिहार की जनता नीतीश सरकार से संतुष्ट नहीं है या उनकी लोकप्रियता में गिरावट आई है।

● छोटे राज्य (10 से कम लोकसभा सीटों वाले राज्य)

1. प्रेम सिंह तमांग (सिक्किम) 53.9%
2. पेमा खांडू (अरुणाचल प्रदेश) 41.6%
3. डॉ. माणिक साहा (त्रिपुरा) 40.4%
4. कोर्नाड संगमा (मेघायल) 38.6%
5. लालदुहोमा (मिजोरम) 38.4%

● देश के लोकप्रिय मुख्यमंत्रियों की लिस्ट

1. योगी आदित्यनाथ (उत्तर प्रदेश) -36%
2. ममता बनर्जी (पश्चिम बंगाल) - 12.5%
3. चंद्रबाबू नायडू (आंध्र प्रदेश) - 7.3%
4. नीतीश कुमार (बिहार) - 4.3%
5. एमके स्टालिन (तमिलनाडु) -3.8%
6. पिनाराई विजयन (केरल) - 3%
7. रेवंत रेड्डी (तेलंगाना) - 2.8%
8. मोहन यादव (मध्य प्रदेश) - 2.7%
9. हिमंत बिस्वा सरमा (असम) - 2.1%
10. देवेंद्र फडणवीस (महाराष्ट्र) - 1.7%

सर्वे का दायरा

यह इंडिया टुडे-सीवोटर MOTN पोल 1 जुलाई से 14 अगस्त 2025 के बीच कराया गया। इसमें पूरे देश के 54,788 लोगों से सीधा सवाल पूछा गया। साथ ही सीवोटर के नियमित ट्रैकर डेटा से 1,52,038 और इंटरव्यू शामिल किए गए। कुल मिलाकर 2,06,826 लोगों की राय पर आधारित यह रिपोर्ट तैयार हुई।

'अमित शाह का सिर काटकर टेबल पर रख देना चाहिए', बयान देकर चौतरफा घिरीं महुआ मोइत्रा, एफआईआर भी दर्ज

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस (TMC) सांसद महुआ मोइत्रा गृह मंत्री अमित शाह पर विवादित बयान देकर चौतरफा घिर गई है। महुआ मोइत्रा ने शुक्रवार (29 अगस्त) नादिया जिले में घुसपैठ मुद्दे पर कहा कि देश के सीमा सुरक्षा की जिम्मेदारी गृह मंत्रालय की है, अगर फिर भी घुसपैठ हो रही है तो अमित शाह का सिर काटकर टेबल पर रख देना चाहिए।

महुआ मोइत्रा के विवादित बयान पर बड़ा राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया। इस टिप्पणी को लेकर एक भाजपा नेता ने महुआ मोइत्रा के खिलाफ FIR दर्ज कराई है। नदिया जिले की बीजेपी ने कोतवाली थाने में महुआ मोइत्रा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल तृणमूल कांग्रेस ने आधिकारिक तौर पर इस मुद्दे पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

महुआ मोइत्रा और कल्याण बनर्जी में कैसे शुरू हुई तू तू मैं मैं? सुअर शब्द से बिगड़ी बात, मामला जान चौंक जाएंगे

महुआ मोइत्रा और कल्याण बनर्जी में कैसे शुरू हुई तू तू मैं मैं? सुअर शब्द से बिगड़ी बात, मामला जान चौंक जाएंगे

'महुआ की भाषा और आतंकी मानसिकता एक है'

बीजेपी ने मोइत्रा के बयान को "गंभीर रूप से आपत्तिजनक" और "लोकतांत्रिक संवाद का अपमान" बताया है। पार्टी नेताओं का कहना है कि इस तरह की भाषा राजनीति और समाज के लिए बेहद खतरनाक है। पश्चिम बंगाल बीजेपी ने एक्स पर लिखा, "महुआ की भाषा और आतंकी मानसिकता एक है।"

बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने पत्रकारों से कहा, "महुआ को देखकर यह समझ में आता है कि अंग्रेजी जान लेना यह साबित नहीं करता कि उन्होंने सही शिक्षा प्राप्त की है।"

पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में मीडिया से बातचीत के दौरान महुआ मोइत्रा ने केंद्र सरकार पर सीमा सुरक्षा की जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा -"अगर कोई हमारी सीमा की रक्षा नहीं कर रहा, अगर हर दिन दूसरे देश के लोग यहां घुसपैठ कर रहे हैं और हमारे नागरिक शिकायत कर रहे हैं कि घुसपैठिए हमारी माताओं और बहनों पर नजर गड़ा रहे हैं, तो पहला काम अमित शाह का सिर काटकर उसे आपकी टेबल पर रख देना होना चाहिए।"

पीएम मोदी के भाषण का भी किया जिक्र

महुआ मोइत्रा ने पीएम मोदी के स्वतंत्रता दिवस भाषण का हवाला देते हुए कहा -"लाल किले से प्रधानमंत्री कहते हैं कि घुसपैठिए जनसांख्यिकी में बदलाव ला रहे हैं। जब पीएम यह कह रहे थे, तब उनके गृहमंत्री पहली पंक्ति में खड़े होकर मुस्कुरा रहे थे।"

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की बेवकूफि यों का फायदा कैसे मिल रहा चीन को, वर्ल्ड पावर बदलने की शुरूआत

(जीएनएस)।

चीन के तियानजिन शहर में शंघाई कॉर्पोरेशन ऑर्गनाइजेशन (SCO) का महत्वपूर्ण शिखर सम्मेलन होने जा रहा है। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से होगी। ऐसे समय में जब अमेरिका की आक्रामक टैरिफ नीतियों के कारण इन तीनों देशों में नाराजगी है, यह बैठक वैश्विक कूटनीति के लिए बेहद अहम मानी जा रही है। यह बैठक ट्रंप की टैरिफ दादागीरी का भी एक नतीजा है, क्योंकि भारत की इस बैठक में साझेदारी अहम मानी जा रही है।

ट्रंप की धमकी ने बदला रुख

अमेरिकी इकॉनोमिस्ट रिचर्ड वोल्फ ने RT को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप की आक्रामक टैरिफ नीतियों से रूस, चीन और भारत जैसे ब्रिक्स देशों में निकटता बढ़ रही है। वोल्फ के अनुसार, अमेरिका अपनी टैरिफ धमकियों से ब्रिक्स को एक 'हॉटहाउस' में बदल रहा है। उन्होंने कहा, "अगर अमेरिका भारी-भरकम टैरिफ लगाकर भारत के लिए अपने दरवाजे बंद करता है, तो जाहिर है वह अपनी वस्तुएं दूसरे देशों को बेचने लग जाएगा।"

अमेरिका बनाम ब्रिक्स

वोल्फ ने रूस का उदाहरण देते हुए समझाया कि प्रतिबंधों के बाद उसने नए बाजार खोजे। इसी तरह, भारत भी अपना निर्यात अमेरिका के

बजाय ब्रिक्स के अन्य देशों को बेचेगा। ऐसे में 24 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था वाला ब्रिक्स एक बड़ा संगठन बनकर उभर सकता है।

कुछ एक्सपर्ट्स का मानना है कि RIC (रूस, भारत, चीन) गठबंधन क्वॉड (अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया, भारत) के खिलाफ एक बड़ी संभावना बन सकता है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपनी चीन यात्रा के दौरान RIC को मजबूत करने की आवश्यकता पर सहमति व्यक्त की थी। अब प्रधानमंत्री मोदी की चीन यात्रा में पुतिन और जिनपिंग के साथ इस पर चर्चा की जा सकती है।

क्या क्वॉड छोड़ेगा भारत?

जानकारों के अनुसार, यदि RIC मजबूत होता है, तो यह प्रशांत महासागरीय क्षेत्र में चीन के खिलाफ अमेरिका के नेतृत्व वाले क्वॉड के सपने को तोड़ सकता है। अमेरिका क्वॉड को इस क्षेत्र में चीन का मुकाबला करने के लिए एक मजबूत गठबंधन बनाना चाहता है। ऐसे में अमेरिका को ये भी खतरा है कि कहीं भारत क्वाड में अपनी स्थिति और रणनीति दोनों बदलकर RIC के पक्ष में अपना पलड़ा न मजबूत कर दे।

तियानजिन बनेगा नया गढ़?

तियानजिन अपनी मजबूत स्थिति और बीजिंग के वाणिज्यिक प्रवेश द्वार के रूप में अपनी भूमिका के लिए प्रसिद्ध रहा है। यह अपने बुने हुए हस्तशिल्प उत्पादों, टेराकोटा मूर्तियों, हाथ से चित्रित लकड़ी के ब्लॉक प्रिंट और विविध समुद्री भोजन के लिए जाना जाता है। 11,760 वर्ग किलोमीटर में फैला यह शहर स्टील फैक्ट्रियों, भारी मशीनरी और जहाज निर्माण-मरम्मत के लिए भी प्रसिद्ध है।

इंटरनेशनल GDP में ब्रिक्स निकला आगे

वोल्फ ने अपने साक्षात्कार में बताया कि इंटरनेशनल जीडीपी में ब्रिक्स देशों का योगदान अब 35% है, जबकि G-7 का योगदान 28% है। ब्रिक्स देश दुनिया की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं, जबकि अमेरिका और उसके पश्चिमी सहयोगी वैश्विक आबादी का केवल 4.5% हैं।

'अमेरिका नहीं रहा महाशक्ति'

वोल्फ ने यह भी कहा कि अमेरिका अब वह महाशक्ति नहीं रहा जो पहले हुआ करता था। वह "एक हताश समाज" की तरह व्यवहार कर रहा है, अपने सहयोगियों को त्याग रहा है और इतिहास की अनदेखी कर रहा है। एक दौर था कि पूरी दुनिया अमेरिका की चेतावनियों से डरती थी, लेकिन अब उसकी धमकियों को ब्राजील जैसे देश पागलपन कहकर टाल देते हैं या फिर उसका मजाक बनता है।

ट्रंप को नहीं मिलेगी सफलता

एक अन्य अमेरिकी अर्थशास्त्री जेफरी सैक्स ने भी ब्रिक्स जैसे समूहों को मजबूत करने की वकालत की है। उन्होंने रीजनल कॉम्प्रिहेंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप (RCEP) जैसे क्षेत्रीय व्यापार समूहों को एक विकल्प के रूप में विकसित करने की बात कही। इंडिया टुडे को दिए एक विशेष साक्षात्कार में सैक्स ने कहा, "वह (ट्रंप) भारत पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उन्हें इसमें सफलता नहीं मिलने वाली।"

सैक्स ने आगे कहा कि ट्रंप ब्रिक्स देशों को एकजुट करने और भारत को रूस, चीन, ब्राजील व अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के करीब लाने में सफल हो रहे हैं। उनके अनुसार, ये टैरिफ अमेरिकी उद्योग को कम प्रतिस्पर्धी बनाकर अमेरिका को वैश्विक अर्थव्यवस्था से अलग-थलग कर रहे हैं।

मुरैना में भाजपा की अंदरूनी कलह, पूर्व विधायक रघुराज कंसाना ने अपनी ही सरकार और मंत्रियों पर साधा निशाना

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अंदरूनी मतभेद एक बार फिर सुर्खियों में हैं। शुक्रवार को मुरैना के पूर्व विधायक और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के करीबी समर्थक रघुराज सिंह कंसाना ने अपनी ही सरकार और मंत्रियों के खिलाफ खुलकर नाराजगी जाहिर की। पूर्व जिलाध्यक्ष नगेंद्र तिवारी के निवास पर आयोजित एक कार्यकर्ता बैठक में कंसाना ने मंत्रियों और नेताओं पर कार्यकताओं की उपेक्षा का गंभीर आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि जब मंत्रियों के पास अपने ही नेताओं और कार्यकताओं के लिए समय नहीं है, तो प्रशासन से सुनवाई की उम्मीद कैसे की जा सकती है। इस बयान ने मुरैना की राजनीति में नया तूफान खड़ा कर दिया है।

शुक्रवार को मुरैना में पूर्व जिलाध्यक्ष नगेंद्र तिवारी के निवास पर आयोजित कार्यकर्ता बैठक में रघुराज कंसाना ने अपनी बात बेबाकी से रखी। उन्होंने कहा, "हमारे लिए ना प्रभारी मंत्री के पास समय है, ना ही सरकार के अन्य मंत्रियों के पास। जब कभी बात करते हैं तो सिर्फ हालचाल पूछते हैं। यही कारण है कि अधिकारी भी हमारी बात नहीं सुनते। किसी कार्यकर्ता की बाइक छुड़वानी हो या थानेदार से मिलना हो, दस-दस बार फोन लगाने पड़ते हैं।" कंसाना ने अपनी नाराजगी को और स्पष्ट करते हुए कहा कि स्थानीय कार्यकताओं और नेताओं की अनदेखी के चलते जमीनी स्तर पर पार्टी कमजोर हो रही है।

उन्होंने नेताओं को चेतावनी देते हुए कहा, "नेताओं और मंत्रियों को सुनना होगा कि स्थानीय कार्यकताओं की उपेक्षा ठीक नहीं। चुनाव आते ही उन्हें हमारी याद कैसे आ जाती है? जब हमारे सहयोग और परिश्रम से सरकार बनती है, तो फिर सत्ता में आने के बाद हमें क्यों नजरअंदाज किया जाता है?" कंसाना का यह बयान न केवल मंत्रियों के लिए, बल्कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के लिए भी एक बड़ा संदेश माना जा रहा है।

रघुराज कंसाना का राजनीतिक सफरः जीत से हार तक

रघुराज सिंह कंसाना मुरैना की राजनीति का एक जाना-माना चेहरा हैं। वे केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के कट्टर समर्थक माने जाते हैं। 2018 के विधानसभा चुनाव में कंसाना ने कांग्रेस के टिकट पर मुरैना सीट से जीत हासिल की थी। लेकिन 2020 में मध्य प्रदेश में सत्ता परिवर्तन के दौरान उन्होंने सिंधिया के साथ कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया।

पत्रकार निखिल मिश्रा को भारतीय किसान यूनियन संगठन की तरफ से मलिहाबाद तहसील से मीडिया प्रभारी बनाया गया

(जीएनएस)।

मलिहाबाद। लखनऊ। क्षेत्र के अटेर निवासी निखिल मिश्रा को भारतीय किसान यूनियन लोकतांत्रिक अराजनैतिक का तहसील मीडिया प्रभारी बनाया गया है। और अंकित रावत को नेजाभरी ग्राम अध्यक्ष बनाए जाने पदाधिकारियों में खुशी की लहर है, भारतीय किसान यूनियन लोकतांत्रिक अराजनैतिक जिलाध्यक्ष लखनऊ अतुल कुमार ने प्रमाण पत्र देकर नवनियुक्त तहसील मीडिया प्रभारी को शुभकामनाएं प्रेषित कर बधाई दी। संगठन के प्रति मेहनत , लग्न और ईमानदारी से कार्य करने की शपथ दिलाई । उन्होंने कहा कि वह अपने क्षेत्र में संगठन को मजबूत करने का कार्य करेंगे और किसान की छोटी से छोटी समस्या के लिए हर समय उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहेंगे।

अंत में निखिल मिश्रा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश सिंह चौहान सहित युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष राकेश अवस्थी दद्दू का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें धन्यवाद देते हुए संगठन को मजबूत बनाने का विश्वास दिलाया। जिला मीडिया प्रभारी अमरेन्द्र सिंह चौहान के नेतृत्व में संगठन की सदस्यता ग्रहण की।

जनपद हरदोई विकास खंड भरावन सभागार में बैठक हुई

(जीएनएस)।

भरावन हरदोई, विकासखंड मिश्रा दुबे पुष्पेंद्र कुमार सिंह अनुराग कुमार शिव प्रसाद गंगा राम फजी दिये गए दिनअंक 6 सितंबर सन 2025 को तहसील स्टार पर दीव्यंग तरफ से ₹2500 प्रतिमा सरकार की तरफ से दिए जाएंगे डायरेक्ट उसके

भरावन के सभी हरी शंकर ब्लॉक 'स्किूल प्रायमरी और जूनियर के टीचरों को राज्य परियोजना के कार्यालय सबसे अधिक उपस्थित छात्र छात्रोंआ को जादा से जादा संख्या में यूनीफॉर्म की फोटो प्रिंट प्रिंट कराकर बहार लगानी अध्यक्ष व शुभीम तिवारी अफ्द्ध (सामाजिक विषय) आदित्य प्रकाश अब्बास नोडल अधिकारी शिक्षक और शिक्षक शिक्षिकायें उपस्थित रहे और सारे टीचरों को मोटिवेट किया गया की समीक्षा जैसा की छात्र-छात्रएं 15 अगस्त में गीत और नित्य इनमें भाग लेत

करने मोटिवेट किया गया और बताया गया की नीशुल्क पुस्तक वाह क्रो पोर्टल पर भरने के लिए निर्देश बच्चों को दीव्यंग प्रमण पत्र के में आयोजन मे प्रति भाग करने के संबध मे समस्या श्रेणी के अनुपालन मोटिवेट हुई और बातचीत हुई मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना सामान्य के 0 से 18 वर्ष तक ऐसे बच्चे जिनके माता-पिता या पिता की किसी बीमारी के कारण मृत्यु हो गई है उन बच्चों को सरकार की खाते में धनराशि दिए जाने की सरकार ने घोषणा की हैयह एक सुंदर पहल है! वृक्षारोपण करना न केवल पर्यावरण के लिए फायदेमंद है, बल्कि यह एक पेड़ को मां के नाम से लगाने का विचार बहुत ही भावपूर्ण और अर्थपूर्ण है।

इस पहल से लोगों को अपनी माताओं के प्रति सम्मान और प्रेम व्यक्त करने का अवसर मिलेगा, साथ ही पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान होगा।

आपको यह जानकर खुशी होगी कि वृक्षारोपण के कई फायदे होते हैं, जैसे कि:

- वायु प्रदूषण कम करना
- जलवायु परिवर्तन को कम करने में मदद करना
- वन्यजीवों के लिए आवास प्रदान करना
- मिट्टी का क्षरण रोकना
- संसाधन केंद्र भरावन पर आयोजित होने वाला आधार कैंप जिनके आधार कार्ड नहीं बने हुए हैं उन बच्चों का बनवा सकते हैं आंगनवाड़ी में कैंप लगेगा वह आधार कार्ड बनवा सकते हैं

17 वर्षीय किशोरी का शव फांसी के फंदे से लटका मिला, पुलिस जांच में जुटी

(जीएनएस)।

जनपद उन्नाव जिले के माखी थाना क्षेत्र के गांव रुपऊ में शनिवार को एक 17 वर्षीय किशोरी का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी पर लटका मिला।मृतका की पहचान गांव निवासी हरिश्चन्द्र की बेटी शिवानी के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, शिवानी का शव सबसे पहले उसकी छोटी बहन ने कमरे में देखा, उस वक्त माता-पिता खेतों पर काम करने गए थे। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और मां रामपती ने परिजनों की मदद से शव को फंदे से उतारा। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी

गई। सूचना पर माखी थाना प्रभारी निरीक्षक योगेश कुमार सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और फोरेंसिक टीम से जांच कराई। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि अभी तक परिजनों ने किसी पर आरोप नहीं लगाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मृतका शिवानी अपने भाई-बहनों सचिन, शिवांशी और मयंक में मझली संतान थी। घटना से गांव में शोक और स्तब्धता का माहौल है।

सीएचसी अधीक्षक डॉ0 स्नेही की अध्यक्षता में समस्त स्टाफ की हुई बैठक

स्योहारा।

शासन की मनसा के अनुरूप सभी को कार्य करने के दिए निर्देश संक्रामक रोगों के प्रति रहे सतर्क,सूचना मिलने पर करे निरोधात्मक कारवाही। किसी भी तरह की लापरवाही होने पर सख्त से सख्त कारवाही की जाएगी...डॉ स्नेही।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी महोदय बिजनौर के आदेशों के क्रम में आज 30 अगस्त 2025 दिन शनिवार को दोपहर 2 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्योहारा स्वास्थ्यकर्मियों की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई ।जिसमें विभाग से जुड़े समस्त कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए प्रगति रिपोर्ट ली गई ।अधीक्षक डॉक्टर स्नेही ने स्वास्थ्य विभाग से जुड़े जो भी कार्यक्रम है उसमें सभी गंभीरता दिखाएं और निर्धारित समय के अंदर सारे कर पूर्ण किए जाएं। सरकार की मनसा के अनुरूप सभी समय से ड्यूटी पर ड्रेस कोड में उपस्थित रहकर अपने अपने कार्य एव उत्तरदायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी और कौशल के साथ करे ताकि दूर दराज के गांवों से आने वाले मरीजों को परेशानी न हो। उन्हे सौहार्द्रपूर्ण माहौल उपलव्ध करवाए ताकि उनको किसी भी तरह की दिक्कत का सामना न करना पड़े।जो भी सेवाएं सीएचसी स्योहारा में उपलब्ध नहीं है उनके लिए उन्हें जिलास्तर पर संदर्भित अवश्य करे ताकि उनको सही और समुचित इलाज समय से उपलव्ध हो सके।उन्होंने कहा कि नियमित टीकाकरण के दौरान सत्र समाप्ति के बाद ही ई कवच और यू विन पोर्टल पर सभी टीके उसी दिन फीड अवश्य करवाए। सभी सुपरवाइजर अपने अपने क्षेत्र की एएनएम की निगरानी करते रहें ।अधीक्षक ने कहा कि बरसात के मौसम में संक्रामक रोग और बीमारी फैल सकते हैं। इसको लेकर सभी सतर्क रहें। किसी भी प्रकार की संक्रामक आपदा की स्थिति में निरोधात्मक कार्यवाही करते हुए इसकी सूचना केंद्र पर अवश्य दें ।संक्रामक बीमारी के प्रति लोगों को भी सावधान करें और साफ सफाई वह स्वच्छ पेयजल के लिए सभी को प्रेरित करें। मच्छर जनित रोगों से बचने के लिए आवश्यक उपाय उन्हें बताएं ।साथ ही आशा के माध्यम से ओ आर एस ओर जिंक की उपलब्धता घर-घर तक अवश्य करवाये। सभी राष्ट्रीय कार्यक्रमो में सभी सहयोग करते हुए जन जन तक योजनाओं को पहुंचाए।किसी भी तरह की लापरवाही उजागर होने कर ,अनैतिक कार्य में लिप्त होने पर मरीजों के संग दुर्व्यवहार करने की शिकायत आने पर किसी को भी बक्शा नहीं जाएगा ।उच्च अधिकारियों को सूचित कर कड़ी से कड़ी कारवाही की जाएगी। इस बैठक के दौरान हेल्थ सुपरवाइजर वीर सिंह, राजेश कुमार ,धीरेंद्र सिंह, फार्मासिस्ट योगेश कुमार ,प्रदीप रावत, हरीश कुमार , देवेंद्र सिंह, पवन पुरुषार्थी, डॉ श्वेता,डॉ राकेश कुमार ,स्नेह लता, अमित कुमार, तुषार चंद्रा, शिवम,मोहम्मद फारूख, मुकेश शर्मा,अनीता,अल्का अमृता,नीरज बीपीएम शालिनी बिश्नोई,राशि ,अनम समेत अन्य स्टाफ इस दौरान उपस्थित रहा।

पुरानी रंजिश के चलते, आरोपी सूरज, ने नितिन, नाम के युवक को मारी गोली

गोली मारकर आरोपी सूरज मौके से हुआ फरार। बिजनोर क्षेत्र गांव गनोरे का मामला बताया गया है।

गोली लगने से युवक गंभीर रूप से घायल

गोली की घटना से ग्रामीणों में मचा हड़कंप परिजनों का रो रो कर हुआ बुरा हाल

घायल युवक नितिन गनौरे से स्थाई मेला देखकर वापस अपने घर जा रहा की घात लगाए आरोपी सूरज ने अपने घर के सामने युवक को मारी गोली

घायल युवक को ग्रामीणों और पुलिस की मदद से जिला सरकारी अस्पताल में कराया भर्ती।

जहां पर डॉक्टरों ने घायल की स्थिति नाजुक देखते हुए हायर सेंटर मेरठ किया

घायल युवक नितिन गांव इस्लामपुर बेग उफ,बेगावाला का निवासी है

घटना थाना कोतवाली देहात के गांव गनौरे की सामने आई है।

कसौधन समाज द्वारा मनाया गया महर्षि कश्यप की जयंती

(जीएनएस)।

पचपेड़वा (बलरामपुर) अखिल भारतीय वैश्य कसौधन महासभा नगर इकाई द्वारा महर्षि कश्यप की जयंती प्रदेश उपाध्यक्ष राम शरण कसौधन के हाता पर मनाई गई । कार्यक्रम का शुभारम्भ कसौंधन गोत्र प्रवर्तक महर्षि कश्यप के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय महामंत्री विनोद जी कसौधन ने सम्बोधित करते हुए कहा कि कसौंधन समाज का वैभवशाली इतिहास रहा है।कसौंधन समाज का सामाजिक संगठन आजादी के पहले बन जाने के बाद भी हम अपनी सामाजिक और राजनीतिक भागीदारी सुदृण नही कर पाए है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक रूप से कसौंधन समाज अभी पिछड़ा है।

जिलाध्यक्ष संतोष कुमार कसौधन ने कहा कि कसौंधन समाज का अन्य पिछड़ा वर्ग का प्रमाणपत्र आज प्रदेश की बड़ी समस्या है लेकिन सरकार उसका निराकरण नही करा पाई है। उन्होंने कहा कि सामाजिक एकजुटता से ही समाज का विकास हो सकता है। कसौधन समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष राम शरण कसौंधन ने कहा कि यदि राजनीतिक दल इसीप्रकार कसौंधन समाज को नजरअंदाज करते रहे तो कसौंधन समाज अपनी राजनीतिक पार्टी बनाकर अपने समाज के हक की लड़ाई लड़ेगा। कार्यक्रम का संचालन सभासद विक्की गुप्ता ने किया ।कार्यक्रम में विशेष रूप से नगर अध्यक्ष दिलीप कुमार कसौधन, संरक्षक बनारसी लाल कसौधन, घिराऊ कसौधन, अशोक कसौधन, अनिल कसौधन , शिवसागर कसौधन, पिंटू कसौधन, राजेश कसौधन, अनुपम कसौधन ,सुमित कसौधन सहित सैकड़ों कसौधन समाज के लोग मौजूद रहे ।

मुंबई फेरीवालों पर दोहरी मार, पीएम स्वनिधि योजना से लिया कर्ज, अब व्यवसाय करने की जगह पर संकट

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना का उद्देश्य फेरीवालों को आत्मनिर्भर बनाना था, लेकिन मुंबई के हजारों फेरीवालों के लिए यह अब जी का जंजाल साबित हो रहा है। हॉकर्स यूनियनों का दावा है कि शहर में करीब 1 लाख 10 हजार फेरीवालों ने इस योजना से कर्ज लिया है, लेकिन अब उनके सामने कर्ज चुकाने और व्यवसाय करने दोनों का संकट खड़ा हो गया है। केंद्र सरकार ने हाल ही में पीएम स्वनिधि योजना के पुनर्गठन और विस्तार को मंजूरी दी है। 7,332 करोड़ रुपये के बजट के साथ यह योजना अब 31 मार्च 2030 तक लागू रहेगी। पहली किश्त की ऋण सीमा 10 हजार रुपये से बढ़ाकर 15 हजार, दूसरी किश्त 20 हजार से बढ़ाकर 25 हजार और तीसरी किश्त 50 हजार रुपये रखी गई है। इस योजना का लक्ष्य 50 लाख नए फेरीवालों सहित 1.15 करोड़ लाभार्थियों तक पहुंचना है। (मीडिया रिपोर्ट नवभारत के अनुसार) मुंबई हॉकर्स यूनियनों का कहना है कि सरकार केवल लोन बांट रही है, लेकिन असली मुद्दा-फेरीवालों को वैध व्यवसाय करने की जगह-अब भी अनसुलझा है। 2014 में बीएमसी ने 1.28 लाख फेरीवालों का सर्वे किया था। इसके बाद करीब 99 हजार आवेदनों में से 32 हजार फेरीवालों को अधिकृत माना गया। लेकिन पात्र फेरीवालों को जगह आबंटित करने का मामला अब तक कोर्ट में लंबित है।यूनियनों का आरोप है कि बीएमसी और रेलवे प्रशासन, हाईकोर्ट की फटकार के बाद फेरीवालों को सड़कों और फुटपाथों से हटाने की कार्रवाई तेज कर रहे हैं। इस

वजह से बोरीवली, कांदिवली, अंधेरी, दादर, कुर्ला और जोगेश्वरी जैसे इलाकों में फेरीवाले नजर नहीं आ रहे। सवाल यह है कि जब फेरीवालों को सरकार की योजना के तहत लोन दिया गया है, तो फिर उन्हें व्यवसाय से कैसे रोका जा सकता है।

हॉकर्स नेताओं का कहना है कि कई फेरीवाले आज भूखमरी के कगार पर हैं। उनकी पूरी आजीविका फेरी व्यवसाय पर निर्भर है, ऐसे में या तो सरकार उन्हें वैध जगह उपलब्ध कराए या फिर लिया गया कर्ज माफ करे।

मुंबई पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द.. सभी को ड्यूटी पर तत्काल लौटने के आदेश, जानें क्या है वजह

(जीएनएस)।

मुंबई पुलिस ने शहर में कार्यकर्ता मनोज जरांगे के नेतृत्व में मराठा आरक्षण आंदोलन के मद्देनजर अपने सभी पुलिस कर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दी हैं। (इउ24 न्यूज रिपोर्ट के अनुसार) एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। हजारों मराठा आरक्षण समर्थक आजाद मैदान में अनशन शुरू करने वाले जरांगे के समर्थन में दक्षिण मुंबई में इकट्ठा हुए हैं। मुंबई पुलिस ने स्थिति को देखते हुए किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए 2,000 से ज्यादा पुलिस कर्मियों को तैनात किया है।अधिकारी ने बताया कि शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी

पुलिसकर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं और उन्हें जल्द से जल्द ड्यूटी पर लौटने को कहा गया है। शुक्रवार से ही मुंबई की सड़कों और छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) पर भीड़ उमड़ रही है। शहर में 10 दिवसीय गणेश उत्सव भी मनाया जा रहा है। इस बीच, आंदोलन के कारण छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) और आसपास के इलाकों में यातायात पूरी तरह ठप हो गया। पुलिस प्रदर्शनकारियों को रास्ता खाली करने के लिए मनाने में कड़ी मशक्कत करती रही।प्रदर्शनकारियों को दक्षिण मुंबई के मुख्य चौराहों पर उमड़ते देखा गया, जिससे सुबह के व्यस्त समय में यातायात जाम हो गया। कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अप्रिय घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस के अलावा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल और रैपिड एक्शन फोर्स के जवानों की भारी तैनाती की गई थी।

अवादा फाउंडेशन का मिशन: हर हाथ में हुनर हर युवा को रोजगार और कौशल

(जीएनएस)।

वाराणसी अवादा फाउंडेशन ने आदिवासी बहुल ग्राम चिचलिक और खोड़ैला के युवाओं को रोजगारपरक शिक्षा से जोड़ते हुए 14 युवाओं को आईटीआई में प्रवेश हेतु 100% द्विवर्षीय छात्रवृत्ति प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सराहनीय कदम उठाया है। फाउंडेशन की कौशल विकास छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत इन छात्रों का नामांकन नेशनल प्राइवेट आईटीआई कॉलेज रॉबर्ट्सगंज सोनभद्र में इलेक्ट्रिशियन ट्रेड हेतु कराया गया है।

इस अवसर पर आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि समाजसेवी एवं ग्राम प्रधान श्री राजकुमार गुर्जर मौजूद रहे। अवादा फाउंडेशन द्वारा इन सभी युवाओं की दो वर्ष की संपूर्ण फीस वहन की जाएगी। इस अवसर पर अवादा ग्रुप के जी.एम. श्री रविन्द्र अग्रवाल एवं फाउंडेशन टीम ने 1,26,000 रुपये की प्रथम किस्त का चेक नेशनल आईटीआई कॉलेज के मैनेजर आकाश पटेल एवं प्रिंसिपल विजय मौर्य को सौंपा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पिछले एक वर्ष में अवादा फाउंडेशन ने यहाँ के गांवों के समग्र विकास और ग्रामीणों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए बहुआयामी प्रयास किए हैं। इन प्रयासों के अंतर्गत बुनियादी ढांचे को मजबूत करने हेतु गांवों को सोलर स्ट्रीट लाइटों से रोशन करने स्कूलों का नवीनीकरण लाइब्रेरी की स्थापना निःशुल्क ट्यूशन सेंटर का संचालन और निःशुल्क आधुनिक कंप्यूटर सेंटर खोलने साथ ही गांव में स्कूल ड्रॉपआउट की समस्या को रोकने के लिए फाउंडेशन ने लगभग 150 बच्चों की स्कूल फीस वहन की है।

जैसे महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं।

महिला सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान देते हुए उन्हें सिलाई प्रशिक्षण और किचन गार्डन जैसी योजनाओं से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। इसके साथ ही बच्चों और महिलाओं के भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए स्कॉलरशिप रचनात्मक समर कैंप और शिक्षा को सुलभ बनाने हेतु हाल ही में सोनभद्र के आदिवासी गांवों में 150 साइकिलों का वितरण भी किया गया है।

फाउंडेशन की निदेशक श्रीमती ऋतु पटवारी ने अपने संदेश में कहा

हमारा उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को कौशल विकास और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाना है। तकनीकी शिक्षा ही उन्हें रोजगार और बेहतर भविष्य की दिशा में आगे बढ़ा सकती है।

ज्ञात हो कि पिछले साल भी फाउंडेशन ने 50 से अधिक युवाओं को आईटीआई में प्रवेश दिलाकर निशुल्क छात्रवृत्ति प्रदान की थी। इस वर्ष भी फाउंडेशन महाराष्ट्र गुजरात उत्तर प्रदेश सोनभद्र और राजस्थान के लगभग 80 बच्चों को तकनीकी शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति दे रहा है।